पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः आश्विन 30, 1944
बृहस्पतिवारः 22 सितंबर 2022

रक्षा मंत्रालय ने बीएपीएल के साथ दोहरी भूमिका वाली सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइल के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को और प्रोत्साहन प्रदान करते हुए रक्षा मंत्रालय ने आज मैसर्स ब्रह्मोस एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) के साथ 'खरीदें-भारतीय' श्रेणी के अंतर्गत 1700 करोड़ रुपये की कुल अनुमानित लागत से सतह से सतह पर मार करने में सक्षम अतिरिक्त ब्रह्मोस मिसाइलों के अधिग्रहण के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इन दोहरी भूमिका क्षमता वाली मिसाइलों के शामिल होने से भारतीय नौसेना (आईएन) बेड़े की परिसंपत्तियों की परिचालन क्षमता में काफी वृद्धि होगी।

उल्लेखनीय है कि बीएपीएल भारत और रूस के बीच एक संयुक्त उद्यम (जेवी) है जो भूमि तथा पोत-रोधी हमलों के लिए विस्तारित रेंज और दोहरी भूमिका क्षमता के साथ नई पीढ़ी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों (एसएसएम) के संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस अनुबंध से स्वदेशी उद्योग की सक्रिय भागीदारी के साथ महत्वपूर्ण हथियार प्रणाली और गोला-बारूद के स्वदेशी उत्पादन को और बढ़ावा मिलेगा।

एबीबी/डीएस